जाहिदीन आर्मी बनाकर हिंसा का षड्यंत्र रच रहे चार गिरफ्तार

दू धार्मिक नेताओं पर हमले के लिए जुटाए जा रहे थे हथियार

नूरी, जागरण• लखनऊ : ...धार्मिक व्यवस्था को ध्वस्त कर ...त कानून लागू कराने के इरादे ...देश में एक और गजवा-ए-हिंद ...जा रहा था। इंटरनेट मीडिया ...विभिन्न प्लेटफार्म के माध्यम ...टे कट्टरपंथियों का एक समूह ...हिदीन आर्मी बनाकर हिंसा ...ने की फिराक में था। खासकर ...धार्मिक नेताओं को निशाना ...ए जाने की योजना थी।

...तंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने इस मामले में चार ...पितों सुलतानपुर निवासी ...मल रजा, सोनभद्र निवासी ...ल सलमानी उर्फ अली रजवी, ...पुर निवासी मु. तौसीफ उ ...पुर निवासी वासिफ अली को ...तार किया। एटीएस अधिकारियों ...अनुसार आरोपित कई कट्टरपंथी ...प्रतिबंधित संगठनों के संपर्क में थे। हिंसा के लिए हथियार जुटाने का प्रयास भी हो रहा था। इनके निशाने पर इस्लाम को लेकर बयान देने वाले हिंदू धार्मिक नेता थे। टारगेट किलिंग के लिए फंड भी जुटाया जा रहा था। सिरोह के कुछ अन्य सक्रिय सदस्यों की भी तलाश की जा रही है। पाकिस्तानी संगठनों से प्रभावित होकर वाट्सएप, टेलीग्राम व सिग्नल एप समेत अन्य माध्यमों से कट्टरपंथियों को जोड़ा गया था। पहले बड़े ग्रुप बनाए गए और उनमें से कुछ खास लोगों को अलग-अलग छोटे ग्रुप में जोड़ा गया था। आरोपितों ने आठ से दस सदस्यों का एक कोर ग्रुप भी तैयार किया था, जिसके माध्यम से प्रदेश में हिंसात्मक घटनाएं करने की साजिश रची जा रही थी। विभिन्न ग्रुप पर भड़काऊ ऑडियो व वीडियो भेजकर युवाओं को जिहाद के लिए उकसाया जा रहा था। विभिन्न माध्यमों से धन भी एकत्रित किया जा रहा था, जिसे लेकर एटीएस गहनता से छानबीन कर रहा है। आरोपितों के विरुद्ध एटीएस के लखनऊ स्थित थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

शुरुआती पूछताछ में चारों आरोपितों ने जिहाद व रेजा में शरिया कानून लागू कराने के लिए कई युवकों को जोड़ा है। जिन्हें मुसलमानों पर हो रहे जुल्मों का बदला लेने के लिए तैयार किया जाने की योजना थी। इसके लिए कट्टरपंथी युवकों को जोड़कर अलग हिंसात्मक ग्रुप तैयार किया जा रहा था। एटीएस अधिकारियों का कहना है कि आरोपितों के मोबाइल फोन खंगाले जा रहे हैं। आरोपितों को कोर्ट में पेश करने के उपरांत पुलिस कस्टडी रिमांड हासिल करने का प्रयास किया जाएगा।

नाबालिग पति पर भी दाखिल हो सकता है भरण-पोषण का वाद : हाई कोर्ट

विधि संवाददाता, जागरण, प्रयागराज : इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक निर्णय में माना है कि नाबालिग के खिलाफ भरण-पोषण की मांग करने वाली सीआरपीसी की धारा 125 और 128 के तहत आवेदन विचारणीय है। न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह ने कहा, 'नाबालिग के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 125 और सीआरपीसी की धारा 128 के तहत आवेदन स्वीकार करने पर कोई रोक नहीं है।' कोर्ट ने पारिवारिक न्यायालय बरेली के आदेश को चुनौती देने वाली पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी है। हालांकि इतनी राहत जरूर दी है कि भरण पोषण राशि लगभग आधी कर दी गई है। बरेली निवासी अभिषेक सिंह यादव (याची) का विवाह शीना देवी के साथ 10 जुलाई 2016 को हुआ। शीना को 21 सितंबर 2018 को संतान प्राप्त हुई। फिर विजाद की स्थिति बनी तो पत्नी (प्रतिवादी) ने शिवाजीगंज थाने में दहेज उत्पीड़न का भी केस दर्ज कराया। शादी के समय याची की आयु 13 साल बताई गई। जब वह लगभग 16 वर्ष का था, तब पत्नी ने उससे भरण-पोषण की मांग करते हुए सीआरपीसी की धारा 125 के तहत आवेदन दायर किया। अपर प्रधान न्यायाधीश, पारिवारिक न्यायालय (एफ) ने पत्नी के लिए पांच हजार व बच्चे के लिए चार हजार रुपये प्रति माह भरण-पोषण देने का आदेश दिया। इसी हाई कोर्ट में यह कहते हुए चुनौती दी गई कि पुनरीक्षणकर्ता नाबालिग है, इसलिए उसके विरुद्ध धारा 125 के तहत आवेदन नहीं दिया जा सकता। ऐसा केवल उसके अभिभावक के माध्यम से ही दायर किया जा सकता है। यह भी दलील दी गई कि पत्नी ने बिना किसी उचित कारण साथ रहने से इन्कार कर दिया था, इसलिए वह धारा 125(4) के अनुसार भरण-पोषण पाने की हकदार नहीं है। हाई कोर्ट ने पाया कि दंड प्रक्रिया संहिता के अध्याय नौ में यह प्रावधान नहीं है कि नाबालिगों के विरुद्ध आवेदन उनके अभिभावकों के माध्यम से ही दायर करना जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि याची का हाई स्कूल प्रमाणपत्र निचली अदालत में उपलब्ध नहीं था। आवेदन तिथि पर वह नाबालिग था, लेकिन निर्णय तिथि तक वयस्क हो चुका था।

भारत ने जीता एशिया कप 2025

इंटीग्रेटेड डिग्री चार वर्ष में पूरी कराने की मांग

राज्य ब्यूरो, जागरण• लखनऊ : अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) ने बीबीए-एमबीए और बीबीए-एमबीए इंटीग्रेटेड (दुअल डिग्री) प्रोग्राम के लिए योग्यता के नए मानक जारी किए हैं। यह व्यवस्था शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लागू होगी। परिषद ने इन इंटीग्रेटेड कोर्स की अवधि पांच वर्ष तय की है, लेकिन इसे चार वर्ष में पूरी करने की मांग की गई है।

एआइसीटीई के नियमों के अनुसार पांच वर्षीय बीबीए-एमबीए कोर्स में प्रवेश के लिए 12वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। जिन छात्रों ने गणित, सांख्यिकी या अकाउंटेंसी पढ़ी है, उनके लिए न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक जरूरी हैं, जबकि आरक्षित वर्ग के लिए यह सीमा 40 प्रतिशत है। अलग पृष्ठभूमि वाले छात्रों को विश्वविद्यालय की ओर से गणित, भौतिकी और इंजीनियरिंग जैसे विषयों में ब्रिज कोर्स उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं, पांच वर्षीय बीबीए-एमबीए प्रोग्राम में प्रवेश के लिए 12वीं उत्तीर्ण करना और विश्वविद्यालय की प्रवेश नीति का पालन करना आवश्यक होगा। एआइसीटीई का कहना है कि इस कदम से छात्रों को समान शैक्षणिक स्तर और बेहतर लर्निंग अनुभव मिलेगा, लेकिन डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के कुलपति प्रो. जेपी पांडेय का कहना है कि वर्तमान में बीबीए तीन वर्ष और एमबीए दो वर्ष का है।

राजस्व से जुड़े कार्य आनलाइन निपटा सकेंगे राजस्व निरीक्षक

...नूरी, जागरण • लखनऊ : ...राजस्व परिषद ने लेखपालों के ...अब राजस्व निरीक्षकों का भी ...बोर्ड तैयार करने की प्रक्रिया ...कर दी है। राजस्व निरीक्षकों ...डैशबोर्ड तैयार होने के बाद उन्हें ...राजस्व संबंधी कार्य आनलाइन ...पड़ेंगे। इससे नागरिकों को ...जाति व निवास प्रमाणपत्रों ...त राजस्व संबंधी अन्य कार्यों के ...तहसीलों के चक्कर नहीं काटने ...। राजस्व परिषद की कोशिश है ...अगले माह तक राजस्व निरीक्षकों ...डैशबोर्ड की सुविधा उपलब्ध ...दी जाए। राजस्व परिषद पिछले ...वर्ष से राजस्व संबंधी कार्यों के ...से निस्तारण के लिए आनलाइन ...प्रणाली विकसित कर रहा है। ...प्रपत्रों के डिजिटलीकरण की ...के साथ-साथ परिषद विभिन्न ...में को समयबद्ध तरीके से पूरा ...के लिए संबंधित अधिकारियों ...उत्तरदायित्व भी निर्धारित कर ...है। नागरिकों की सुविधा से संबंधित कार्यों के निस्तारण के लिए अभी 45 दिन का समय निर्धारित है। आनलाइन व्यवस्था पूरी तरह से लागू न होने के कारण 45 दिनों में कार्यों का निस्तारण नहीं हो पा रहा है। नतीजतन परिषद के अध्यक्ष अखिल कुमार ने इसे माह लेखपाल डैशबोर्ड का सुधारपत्र किया था। लेखपाल डैशबोर्ड की सुविधा उपलब्ध होने के बाद नागरिकों को आय, जाति, निवास प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने सहित विभिन्न धाराओं के तहत कार्यवाही आनलाइन की जा रही है। लेखपालों से संबंधित कार्यों की स्वीकृति के बाद राजस्व निरीक्षकों को उसे मंजूरी देनी होती है। इसलिए राजस्व कार्यों के निस्तारण में तेजी लाने के लिए राजस्व निरीक्षकों को भी अगले माह तक डैशबोर्ड पर काम करने की सुविधा देने की तैयारी की जा रही है। परिषद के अध्यक्ष ने बताया कि यह सुविधा उपलब्ध होने के बाद राजस्व निरीक्षकों को भी फाइलों से मुक्ति मिलेगी।

दुकानों पर लगाए जाएंगे 'गर्व से कहो यह स्वदेशी है' के स्टिकर : भूपेन्द्र चौधरी

- भाजपा का आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान शुरू
- तीन माह चलेगा, स्वदेशी को जनांदोलन का रूप देगी पार्टी

राज्य ब्यूरो, जागरण• लखनऊ : स्वदेशी को लेकर भाजपा का आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान सोमवार से शुरू हो गया है। तीन महीने तक चलने वाले इस अभियान के जरिये पार्टी स्वदेशी को जनांदोलन का रूप देना चाहती है। सोमवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने अभियान का शुभारंभ करते हुए कहा कि इसके तहत दुकानों में 'गर्व से कहो यह स्वदेशी है' लिखित स्टिकर लगाए जाएंगे। अभियान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती 25 दिसंबर तक चलेगा।

पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में चौधरी ने कहा कि अभियान के जरिये पार्टी विदेश पर निर्भरता कम कर स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देगी। अभियान किसी का विरोधकार नहीं बल्कि स्वदेशी को आगे बढ़ाने के लिए है। इसके मूल में किसान, नारी शक्ति व युवा हैं। वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के मूल में भी स्वदेशी है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल नीति नहीं, 140 करोड़ भारतीयों की आस्था और संकल्प है। कोरोना संकट से लेकर आज तक भारत ने दिखा दिया है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी आत्मनिर्भरता ही राष्ट्र की शक्ति बनती है। उन्होंने कहा कि 1905 में बंगाल विभाजन के विरोध में और आजादी की लड़ाई के दौरान भी स्वदेशी आंदोलन अहंकार बना था। 'वोकल फार लोकल' मंत्र के कारण आज कई क्षेत्रों में प्रगति हुई है। अभियान के तहत प्रदेश में सम्मेलन के आयोजन सहित एक हजार से अधिक स्वदेशी मेले लगाए जाएंगे। 500 से अधिक रथ और पदयात्राएं निकाली जाएंगी। घर-घर जाकर स्वदेशी के स्टिकर लगाकर लोगों से स्वदेशी वस्तुएं खरीदने का संकल्प पत्र भरवाया जाएगा। युवाओं, महिलाओं और व्यापारियों के सम्मेलन होंगे। कालेजों में कार्यक्रम, क्विज व निबंध प्रतियोगिताएं और हस्तशिल्प प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

देशद्रोहियों के साथ खड़ी थी पहले की सरकारें : 'आइ लव मोहम्मद' प्रकरण में बरेली की घटना पर चौधरी ने कहा कि पुरानी सरकारें तो देशद्रोहियों के साथ खड़ी रहती थीं। आरोपितों के मुकदमे तक वापस लिए गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार अत्यावश्यक फैसले व गैरकानूनी तरीके से भीड़ एकत्र करने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई कर रही है।

चारपाई पर सो रहे बुजुर्ग को आवारा कुत्तों ने नोचकर मार डाला

बाह, बाराबंकी : घर के बाहर चारपाई पर सो रहे बुजुर्ग पर रविवार रात आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया। शोर सुनकर परिवारजन जब तक पहुंचते कुत्ते बुजुर्ग को कुछ दूर तक खींच ले गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से रेफर वृद्ध की लखनऊ स्थित ड. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। 60 वर्षीय उमाराम रावत रविवार रात घर के बाहर चारपाई डालकर सो रहे थे। कुछ देर बाद वहां करीब दस आवारा कुत्तों का झुंड पहुंचा और सो रहे उमाराम पर हमला कर दिया। पैर सहित पूरे शरीर को बुरी तरह नोच डाला। चिल्ला रहे वृद्ध की आवाज सुनकर जब तक परिवारजन घर से बाहर आए तब तक कुत्ते उनको कुछ दूर तक घसीट ले गए। घर के लोगों ने किसी प्रकार उनको कुत्तों से बचाया, लेकिन तब तक वह मरणासन्न हो चुके थे। उनको सीएचसी लाया गया, जहां से डाक्टर ने लखनऊ रेफर कर दिया।

विस्फोट से आतिशबाज व बेटी की मौत, थाना प्रभारी निलंबित

- बारूद के विस्फोट से कोठरी ढही, आतिशबाज का पुत्र और बुढ़िया घायल
- मार्च 2024 तक का था आतिशबाज का लाइसेंस, नहीं हुआ था नवीनीकरण

आर्य, फतेहपुर : घनी बस्ती के बीच घर के अंदर पटाखा बनाते समय विस्फोट से आतिशबाज और उसकी बेटी की मौत हो गई। पुत्र सहित दो लोगों की हालत गंभीर है। सोमवार सुबह हुए धमाके की आवाज बहुत दूर तक सुनी गई। विस्फोट से ढही कोठरी का मलबा 200 मीटर दूर तक बिखर गया। घायलों को एलएलआर अस्पताल कानपुर में भर्ती कराया गया है। आतिशबाजी बनाने का लाइसेंस मार्च 2024 में समाप्त हो चुका था। अवैध ढंग से बनाई जा रही आतिशबाजी को लेकर स्थानीय पुलिस भी मौन साधे रही। एसपी अनुप कुमार सिंह ने लापरवाही बरतने के आरोप में कल्यानपुर थाना प्रभारी शैलेष सिंह, हसवा इंचार्ज सौरभ शर्मा व बीट के सिपाही देव नारायण व बाबू बिहारी को निलंबित कर दिया है। 65 वर्षीय आतिशबाज नूर मोहम्मद की पत्नी हसीना के नाम पर आतिशबाजी बनाने का लाइसेंस है। लाइसेंस की समय सीमा समाप्त होने के बाद उसने नवीनीकरण का आवेदन कर पटाखों का निर्माण शुरू कर दिया था। घनी बस्ती के अंदर पहली मंजिल में बनी कोठरी में बारूद का भंडारण किए था। सुबह करीब 9:30 बजे प्रथम तल पर बनी कोठरी में आतिशबाज अपनी 18 वर्षीय पुत्री लैला व पुत्र शेर मोहम्मद उर्फ अली के साथ पटाखे बना रहा था। पत्नी हसीना नीचे वाले तल पर थी, जबकि छोटी पुत्री शीबा घर के बाहर थे। तभी बारूद में दो बार जोरदार विस्फोट हुए। इससे कोठरी ढह गई। चारों ओर धूल का गुबार छा गया। विस्फोट की आवाज सुनकर लोग दौड़कर पहुंचे।

री जगन्नाथ मंदिर के ऊपर 15 मिनट क मंडराता रहा ड्रोन, सुरक्षा में चूक

- ड्रोन ने मंदिर की परिक्रमा करते हुए आनंद बाजार और स्नान वेदी के ऊपर से भी खिलाई किया वीडियो
- जब ड्रोन उड़ रहा था उस समय मंदिर के चूनरा सेवायत दाना (पताका) परिवर्तन की विधि रहे थे परंपरा

...रण संवाददाता, भुवनेश्वर : पुरी ...त श्रीजगन्नाथ मंदिर की सुरक्षा ...स्था पर एक बार फिर गंभीर ...ल खड़े हो गए हैं। सोमवार को ...नक मंदिर परिसर और उसके ...पास करीब 15 मिनट तक एक ...बेखौफ उड़ता रहा। बताया जा ...है कि इस दौरान ड्रोन ने मंदिर ...परिक्रमा करते हुए आनंद बाजार ...स्नान मंदिर के ऊपर से भी ...को रिकॉर्ड किया।

...दों के अनुसार, जब ड्रोन उड़ ...था उस समय मंदिर के चूनरा ...सेवायत दाना (पताका) परिवर्तन ...परंपरा निभा रहे थे। यही नहीं ...युओं की भीड़ मौजूद रहने के ...मंदिर के संवेदनशील हिस्सों ...रिकॉर्डिंग होना सुरक्षा एजेंसियों ...बड़ी चूक मानी जा रही है। ध्यान ...योग्य है कि श्रीमंदिर परिसर को ...ही नो-फ्लाइंग जोन घोषित ...जा चुका है। इसके बावजूद ...लगातार ड्रोन उड़ने की घटनाएं ...आ रही हैं। हैरानी की बात यह है कि अब तक न तो पुलिस और न ही सुरक्षा एजेंसियां इन ड्रोन का स्रोत या ऑपरेटर का पता लगा सकी हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं से सेवायत समुदाय और भक्तों में रोष बढ़ता जा रहा है। उनका कहना है कि इतनी सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद मंदिर परिसर के ऊपर ड्रोन उड़ना गंभीर खतरे का संकेत है। भक्तों ने पुलिस प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन घटनाओं को रोकने के लिए मंदिर परिसर में एंटी-ड्रोन टेक्नोलाजी का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि अब तक इसे लागू क्यों नहीं किया गया। मंदिर सुरक्षा को लेकर बार-बार उठ रहे सवालों ने प्रशासन को कटघरे में खड़ा कर दिया है। पुरी जगन्नाथ मंदिर की गरिमा और सुरक्षा से जुड़ी यह कोई पहली घटना नहीं है, लेकिन हर बार की तरह इस बार भी ड्रोन ऑपरेटर का सुराग हाथ नहीं लग सका। ऐसे में श्रद्धालु पूछ रहे हैं- आखिर कब सुरक्षित होगा भगवान जगन्नाथ का धाम।

मुख्तार की मौत के बाद से मैं अचार संग खाने लगा था रोटी : आजम

- अखिलेश यादव के जल्द आने के सवाल पर बोले- बड़े आदमी का घर आना सम्मान की बात
- जेल से रिहा होने के बाद दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में थे भर्ती, कहा-अब सेहत में सुधार

जागरण, रामपुर : समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां ने दिल्ली में इलाज के बाद रामपुर वापस लौटकर मीडिया से बात की। जेल में धीमा जहर दिए जाने के आरोप पर उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी बात को गलत समझा गया। उन्होंने कहा, "जब मुख्तार अंसारी के निधन की खबर आई और वह पता चला कि उन्हें धीमा जहर दिया गया, तब से मैं खाने-पीने के मामले में सतर्क हो गया। मैं दिन में एक और रात में आधी रोटी नींबू के अचार के साथ खाता था।"

आजम खां 22 अक्टूबर 2023 से सीतापुर जिला कारागार में निरुद्ध थे। 23 सितंबर को जिला होकर रामपुर पहुंचे थे। 24 सितंबर को उपचार के लिए दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती हुए थे। यह बयान उन्होंने कुछ दिन पहले दिल्ली में उनसे मिलने आए मीडियाकर्मियों के बीच उनके भोजन में धीमा जहर दिए जाने की चर्चा के संदर्भ में दिया। आजम खां ने कहा कि उन्होंने पांच साल जेल की एक छोटी सी कोठरी में बिताए, जहां इंसान का नामोनिशान नहीं था। ऐसे हालात में बीमार होना स्वाभाविक है। अब उनकी सेहत में सुधार हो रहा है और उनकी प्राथमिकता स्वास्थ्य सुधारना है, इसके बाद वे आगे की रणनीति तय करेंगे। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आने के सवाल पर आजम ने कहा- 'अखबार के माध्यम से जानकारी मिली है। इस गरीब का (खुद का) गली में घर है, जहां बरसात में दो-ढाई फीट पानी भर जाता है। ऐसे में हमारे घर कोई भी बड़ा आदमी आएगा तो यह हमारे लिए इज्जतअफजाई होगी।

प्रवक्ता (पीजीटी) परीक्षा चौथी बार टली, 15 और 16 अक्टूबर को थी प्रस्तावित

राज्य ब्यूरो, जागरण• प्रयागराज : प्रवक्ता (पीजीटी) भर्ती परीक्षा के बार-बार स्थगित होने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। तीन वर्षों से इंतजार कर रहे लाखों अभ्यर्थियों के लिए सोमवार को एक और झटका तब लगा जब उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने चौथी बार परीक्षा स्थगित करने की घोषणा की। आयोग के अनुसार 15 और 16 अक्टूबर को प्रस्तावित परीक्षा अब आकस्मिक कारणों से स्थगित कर दी गई है।

हालिया घटनाक्रम में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष कीर्ति पांडेय के त्यागपत्र से उपजे हालातों को भी इस परीक्षा के टलने की बड़ी वजह माना जा रहा है। हालांकि पीजीटी भर्ती परीक्षा के बार-बार स्थगन ने न केवल लाखों युवाओं के भविष्य को अधर में लटका दिया है, बल्कि यह भर्ती व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न भी खड़ा कर रहा है। अब अभ्यर्थियों को नई तिथि का इंतजार है। पीजीटी भर्ती-2022 में कुल 624 पदों के लिए लगभग 4.50 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। आवेदन प्रक्रिया जुलाई 2022 में ही पूरी हो चुकी थी। आवेदन प्रक्रिया समाप्त होने के तीन साल बाद जाकर परीक्षा की तिथि घोषित की गई, लेकिन उसके बाद से परीक्षा अनगिनत होने के बजाय केवल तिथियां बदलती रही हैं। परीक्षा पहले इस वर्ष 11 और 12 अप्रैल को प्रस्तावित थी, जिसे बाद में 20 और 21 जून पर टाला गया। इसके बाद पुनः 18 और 19 जून की नई तिथियां जारी हुईं, लेकिन वह भी रद कर दी गईं। इसके बाद अगस्त में परीक्षा की बात कही गई, मगर तिथि नहीं घोषित हुई। फिर 15 और 16 अक्टूबर को परीक्षा तय की गई, जिसे अब फिर स्थगित कर दिया गया है। दावा कुल मिलाकर चार बार परीक्षा स्थगित हो चुकी है। कई उम्मीदवारों ने सवाल उठाया है कि आखिर इतनी बार परीक्षा स्थगित करने के पीछे वास्तविक कारण क्या हैं? तीन वर्ष से अधिक समय बीतने के बाद भी आयोग परीक्षा आयोजन को ठोस तैयारी क्यों नहीं कर पा रहा है? अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया में इस तरह की लंबी देरी से न केवल उनकी तैयारी प्रभावित हो रही है, बल्कि आयु सीमा पार करने का भी खतरा बढ़ गया है।

अभ्यर्थियों ने कहा कि हर बार तारीख बदल जाती है। इस असमंजस में मानसिक और आर्थिक दोनों तरह का दबाव झेलना पड़ रहा है। बार-बार परीक्षा का टलना यह संकेत है कि प्रशासनिक स्तर पर गंभीर कमियां और समन्वय की कमी बनी हुई है। हालांकि आयोग का कहना है कि नई परीक्षा तिथि जल्द घोषित की जाएगी, लेकिन बार-बार की जा रही स्थगन से अभ्यर्थियों का सब्र अब टूटने लगा है।

-केवाईसी प्रक्रिया में अब तक 30 जार से अधिक परिवार अयोग्य

ई-केवाईसी का प्रतीक फोटो।

- छह लाख 38 हजार मृत व्यक्तियों की हुई पहचान
- अब तक प्रक्रिया पूरी न करने वालों को नहीं मिलेगा राशन

जिलावार स्थिति	
गाजियाबाद	लगभग 64 हजार
कटक	91 हजार
मयूरभंज	87 हजार
बलांगीर	83 हजार
बालेश्वर	83 हजार
कालाहांडी	82 हजार
देवगढ़	लगभग 10 हजार

...रण संवाददाता, भुवनेश्वर : ...केवाईसी की अंतिम तिथि अब ...एक दिन दूर है। 30 सितंबर ...प्रक्रिया पूरी न करने वालों को ...राशन नहीं मिलेगा। बार-बार ...लाइन बढ़ाने के बाद भी अब ...16 लाख 36 हजार लाभुक ...केवाईसी नहीं करा पाए हैं। ...ति मंत्री ने साफ कर दिया है ...अब और मोहलत नहीं मिलेगी। ...सरकार ने 30 जून से ही ...केवाईसी प्रक्रिया को अनिवार्य कर ...था। इसके बाद जिन परिवारों ...ई-केवाईसी नहीं कराया, उनका ...न रोक दिया गया। सरकार ने ...ना की भी कि जो लोग 30 ...तक प्रक्रिया पूरी कर लेंगे, ...फिर से राशन मिलेगा। अब ...अवधि समाप्त होने जा रही है। ...केवाईसी प्रक्रिया में अब तक 30 ...से अधिक परिवार अयोग्य ...गए हैं जबकि छह लाख 38 ...मृत व्यक्तियों की पहचान ...है। उधर, टीला एसोसिएशन ...आरोप लगाया है कि नेटवर्क ...मस्या और तकनीकी दिक्कतों की ...से कई लोग ई-केवाईसी नहीं ...पाए। छोटे बच्चों और बुजुर्गों ...बायोमेट्रिक की समस्या भी सामने ...है। संघ का कहना है कि योग्य ...को वंचित न किया जाए, इसके लिए सरकार को गंभीर होना चाहिए। ई-केवाईसी प्रक्रिया में अब तक 30 हजार 125 अयोग्य परिवारों और छह लाख 38 हजार मृत व्यक्ति चिह्नित किए गए हैं। इसके चलते बड़ी संख्या में लाभुक सूची से बाहर हो चुके हैं।

मजार की आड़ में बना तौकीर का 74 दुकानों का अवैध बाजार सील

बरेली, कार्टी : मुसलमानों के हित का दावा करने वाले मौलाना तौकीर रजा मजार की आड़ में 74 दुकानें बनवाकर किराया खा रहा था। नगर निगम ने सोमवार को इन दुकानों और तौकीर के संगठन इत्तेहाद ए मिल्लत काउंसिल (आइएमसी) का कार्यालय सील कर दिया। दूसरी ओर बरेली विकास प्राधिकरण की टीम ने उसके करीबियों की छह संपत्तियां चिह्नित कर लीं, जिनका निर्माण मानक के अनुरूप नहीं किया गया। दिनभर अलग विभागों की कार्रवाई के बीच पुलिस ने आइएमसी के पूर्व जिलाध्यक्ष नदीम समेत उपद्रव के 28 अन्य आरोपितों को जेल भेज दिया। सतर्कता के दृष्टिगत प्रशासन ने इंटरनेट बंदी 24 घंटे के लिए बढ़ा दी है। अब 30 सितंबर की रात 12.30 बजे बाद इंटरनेट सेवा सुचारू होगी। आइएमसी अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा खां ने कानपुर के 'आइ लव मोहम्मद' विवाद के बहाने शुक्रवार को बरेली में उपद्रव कराया था। उसके उकसावे पर आई भीड़ ने पथराव, फायरिंग की, जिसमें 22 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। अब तक मौलाना तौकीर समेत 61 आरोपितों को जेल व छह को थाने से जमानत मिल चुकी है। अब प्रशासन तौकीर व उसके गुर्गों की संपत्तियों की जांच करा रहा है।

प्रदूषित हो रही महानदी के संरक्षण की उठी मांग

संबलपुर में महानदी तट पर जम कचरे का चादर फोटो।

कांत कुमार, जागरण• संबलपुर : ओड़िशा की जीवनरेखा मानी जाने वाली महानदी दिन-ब-दिन प्रदूषण की चपेट में आकर 'विष नदी' बनती जा रही है। यह आरोप भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं संबलपुर विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष जयकांत दे ने लगाया। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण को लेकर सरकारों ने आजादी के बाद गंभीर पहल नहीं की, जिसके चलते आज जीवन और आजीविका दोनों संकट में हैं। जयकांत दे ने आमजन और बुद्धिजीवियों से जाति, भाषा, धर्म और राजनीति से ऊपर उठकर महानदी के संरक्षण के लिए एकजुट संघर्ष की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर अब भी नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियां माफ नहीं करेंगी। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, संबलपुर क्षेत्र में महानदी का पानी "न पीने योग्य है, न स्नान योग्य"। इसका प्रमुख कारण हिंडालको स्पंजलर, जीआर स्टील, स्टील मिलों, अस्पतालों आदि से सीधे नदी में गिरता दूषित जल है, जिससे कैंसर, किडनी रोग, त्वचा रोग, हैजा व टाइफायड जैसे रोग बढ़ रहे हैं। रेवांच में प्रस्तावित एथेनॉल फैक्ट्री का विरोध करते हुए जयकांत दे ने कहा कि इससे नदी का पारिस्थितिकी तंत्र और मछलियों की प्रजातियां खत्म हो जाएंगी।

पर्यटन परियोजनाओं की गुणवत्ता की जांच करेंगे अधिकारी

राज्य ब्यूरो, जागरण• लखनऊ : पर्यटन विभाग के अधिकारी परियोजनाओं की गुणवत्ता की जांच करेंगे। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने इस संदर्भ में अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मौके पर जाकर सभी परियोजनाओं की जांच कर कमी पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार या कंपनी के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। उन्होंने परियोजनाओं में देरी को लेकर नाराजगी जताई और कहा कि स्वीकृत परियोजनाओं का काम शुरू करने में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सोमवार को पर्यटन निदेशालय में पर्यटन व संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक में उन्होंने अयोध्या में दीपोत्सव के आयोजन की तैयारियों की भी समीक्षा की। 26 लाख दिये जलाकर दीपोत्सव को इस बार और भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा। सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि हर स्तर पर निर्माण कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। डा. भीमराव अंबेडकर स्मारक देशभक्त के शेष कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश मंत्री ने दिए। अधिकारियों ने बताया कि कानपुर में उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड 270 व उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास लिमिटेड की 219 परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं।

बूढ़ी मां का दर्द सुन द्रवित हुए योगी, कैंसर पीड़ित बेटे को भेजा अस्पताल

राज्य ब्यूरो, जागरण• लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन में पीड़ितों की समस्याएं सुनीं और उन्हें तत्काल निस्तारित करने का आश्वासन दिया। जनता दर्शन में कानपुर से एक बूढ़ी मां भी आई थीं जिनका बेटा कैंसर से पीड़ित है। उसने कहा कि हम गरीब हैं, बेटे का इलाज नहीं करा पा रहे हैं। हमारे पास आयुष्मान कार्ड भी नहीं है। मेरे बेटे की जिंदगी दे दीजिए। इलाज के लिए कुछ आर्थिक सहायता मिल जाए। मां का दर्द सुन योगी द्रवित हो गए। उन्होंने तत्काल कैंसर पीड़ित बेटे को एंबुलेंस से कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट भिजवाया और बेहतर इलाज के निर्देश दिए। जनता दर्शन में सोमवार को प्रदेश के 50 से अधिक पीड़ित पहुंचे। मुख्यमंत्री एक-एक करके सभी के पास पहुंचे, उनसे प्रार्थना पत्र लिए और अफसरों को तत्काल उचित निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी प्रदेशवासियों के चेहरे पर खुशी लाना सरकार का उद्देश्य है। हमारी सरकार हर पीड़ित के साथ है। इलाज के लिए आगे भी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराते रहेंगे। मथुरा-वृंदावन और लखनऊ से आए व्यक्तियों ने अवैध निर्माण की शिकायतें कीं। वहीं, नोएडा में सहारा धोखाधड़ी से जुड़े मामले में कार्रवाई न होने की शिकायत लेकर भी कुछ लोग यहां आए थे।

MCL महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
(कोल इंडिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कंपनी)
जयंती विहार, बुर्ला-768020, जिला-संबलपुर (ओडिशा)
सूचना हेतु टेंडरों के लिए विवरण www.mahanadicoal.com

सूचना

"महानदी, कोयला एवं सेवाओं के खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कम्पनियों द्वारा जारी सभी निविदाएं कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in/सम्बंधित अनुषंगी कम्पनी (एमसीएल, www.mahanadicoal.in), सीआईएल ई प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योर